J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 16.10.2020

PUNJAB KESARI

वैश्विक अस्थिरता तथा अनिश्चितता में उभरते बिजनेस मॉडल पर हुई चर्चा

भविष्य के बिजनेस लीडर्स को हर परिस्थिति से निपटने के लिए होना होगा तैयारः कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

सम्मेलन में चर्चा करते हुए वक्ता।

फरीदाबाद, 15 अक्तूबर (ब्यूरो): कोविड-19 महामारी के कारण तेजी से बदलते बिजनेस मॉडल तथा प्रभावों के दृष्टिगत, जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा वैश्विक स्तर पर अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता (वुका) में व्यवसायिक रणनीति पर चर्चा के लिए एक दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 215 प्रतिभागियों ने भाग लिया और सम्मेलन विषय पर 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय मुख्य अतिथि तथा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू सत्र विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य वक्ता रहे। प्रो. सुरेश बेदी ने सम्मेलन की विषयवस्तु के बारे में बताया। सम्मेलन का विषय दुनिया के बदलते कारोबारी माहौल केइर्द-गिर्द रहा, जिसमें अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट के कारण बिजनेस लीडर्स को पेश आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित रहा। प्रबंधन अध्ययन के संकायाध्यक्ष प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि सम्मेलन नए वैश्विक वातावरण में नये तौर-तरीकों और नीतियों को सीखने, अनुकूलन और नवाचार करने की दिशा में एक पहल है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि सम्मेलन विद्यार्थियों को महामारी जैसी परिस्थितियों से निपटने और व्यापार का प्रबंधन करने के लिए अच्छी रणनीति बनाने के लिए सीखने का अवसर है। कोविड-19 के प्रभाव और विकसित हो रहे नए बिजनेस मॉडल पर उन्होंने कहा कि लगभग सभी व्यवसायों ने अपनी रणनीतियों को बदल दिया है और अपने कामकाज के तौर-तरीकों में बदलाव लेकर आये है।

इस प्रकार, भविष्य के बिजनेस लीडर्स को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए इन रणनीतियों को जानना और सीखना होगा।

पंजाब केसरी
ई-पेपर
Fri, 16 October 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 16.10.2020

DAINIK BHASKAR

भविष्य के बिजनेस लीडर्स को हर परिस्थिति से निपटने को होना होगा तैयार: कुलपति

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

कोविड-19 महामारी के कारण तेजी से बदलते बिजनेस मॉडल तथा प्रभावों के दृष्टिगत जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने वैश्विक स्तर पर अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता में व्यावसायिक रणनीति पर चर्चा के लिए ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें 215 प्रतिभागियों ने भाग लेकर 70 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय व विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू वक्ता के रूप में मौजूद थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान कुलपति ने कहा कि सम्मेलन विद्यार्थियों को महामारी जैसी परिस्थितियों से निपटने और व्यापार का प्रबंधन करने के लिए अच्छी रणनीति बनाने के लिए सीखने का अवसर है। कोविड-19 के प्रभाव और विकसित हो रहे नए बिजनेस मॉडल पर उन्होंने कहा कि लगभग सभी व्यवसायों ने अपनी रणनीतियों को बदल दिया है और अपने कामकाज के तौर तरीकों में बदलाव लेकर आए हैं। इस प्रकार भविष्य के बिजनेस लीडर्स को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए इन रणनीतियों को जानना और सीखना होगा। प्रो. हिमांशु राय और राज नेहरू ने शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकियां और बिजनेस मॉडल नई चुनौतियां और अवसर पैदा कर रहे हैं जिनके लिए नवीन और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING: 16.10.2020

HINDUSTAN

कोरोना काल में हुए बदलाव पर चर्चा

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

मंथन

- कोरोना की वजह से व्यवसाय में हुए बदलाव पर विचार विमर्श हुआ
- वक्ताओं ने कहा, यह समय सीखने के लिए काफी अच्छा

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने कोरोना काल में वैश्विक स्तर पर चल रही जटिलता और अस्पष्टता के बीच व्यावसायिक रणनीति पर चर्चा के लिए एक दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

इसमें 215 प्रतिभागियों ने भाग लिया और सम्मेलन के विषय पर 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। वहीं श्री वश्विकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू मुख्य वक्ता थे सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

नई वैश्विक नीतियों के बारे में बताया : प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम ने अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके बाद प्रो. सुरेश बेदी ने सम्मेलन के विषय के बारे में बताया। सम्मेलन का विषय दुनिया के बदलते कारोबारी माहौल में बिजनेस लीडर्स को पेश आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित रहा। प्रबंधन अध्ययन के संकायाध्यक्ष प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि नए वैश्विक वातावरण में नये तौर-तरीकों और नीतियों को सीखने पर जोर दिया।

बिजनेस मॉडल में बदलाव पर चर्चा की : प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि सम्मेलन विद्यार्थियों को महामारी जैसे हालात से निपटने और व्यापार का प्रबंधन करने के लिए अच्छी रणनीति बनाने का अवसर है। कोविड-19 के प्रभाव और इस दौरान विकसित हो रहे नए बिजनेस मॉडल पर उन्होंने कहा कि लगभग सभी व्यवसायों ने अपनी रणनीतियों को बदल दिया है और अपने कामकाज के तौर-तरीकों में बदलाव लेकर आए है।

NEWS CLIPPING: 16.10.2020

NAVBHARAT TIMES

बदलते बिजनेस मॉडल पर हुई चर्चा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी की तरफ से कोरोना महामारी के दौरान बदलते बिजनेस मॉडल व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए एक ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यूनिवर्सिटी के अध्ययन विभाग की तरफ से आयोजित इस सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता में व्यवसायिक रणनीति पर चर्चा की गई। इसमें 215 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर के निदेशक प्रफेसर हिमांशु राय मुख्य अतिथि व श्री विश्वकर्मा कौशल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू विशिष्ठ अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने की। प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष निगम ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।